राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

सहायक आचार्य – संस्कृत, कॉलेज शिक्षा विभाग के पद हेतु प्रतियोगी परीक्षा का पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र

इकाई–1 – वैदिक साहित्य

1.1 देवता– अग्नि, सवितृ, इन्द्र, रुद्र, बृहस्पति, अश्विनी, वरुण, उषस्, सोम।

1.2 निम्नलिखित सूक्तों का अध्ययनः–

ऋग्वेद – अग्नि (1.1), इन्द्र (2.12), पुरुष (10.90), हिरण्यगर्भ (10.121), नासदीय (10.129), वाक् (10.125), उषस् (3.61)।

शुक्ल यजुर्वेद – शिवसंकल्प (अध्याय 34 मन्त्र 1–6), प्रजापति (अध्याय 23 मन्त्र 1–5)।

अथर्ववेद – राष्ट्राभिवर्द्धनम् (1.29), काल (10.53), पृथिवी (12.1)।

1.3 वैदिक काल के विषय में विभिन्न सिद्धांत– मैक्समूलर, ए.वेबर, जैकोबी, बालगंगाधर तिलक, एम.विन्टरनिट्त्ज, भारतीय परम्परागत विचार।

ऋग्वेद का क्रम

वैदिक संहिताएं तथा उनकी विषय वस्तु, संहिताओं के पाठ–भेद

1.4 ब्राह्मण एवं आरण्यक– सामान्य लक्षण, विशेषताएं प्रतिपाद्य विषय, अग्निहोत्र, अग्निष्टोम यज्ञ, दर्शपौर्णमास यज्ञ एवं पंचमहायज्ञ।

1.5 उपनिषदों की विषयवस्तु तथा प्रमुख अवधारणाओं का अध्ययन। विशेषतः निम्नलिखित उपनिषदों के संदर्भ में– ईश, कठ, तैत्तिरीय।

1.6 वेदांगों का सामान्य परिचय एवं निरुक्त– शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द, ज्योतिष, निरुक्त (अध्याय 1 और 2)

निरुक्त में चार पद– नाम, आख्यात, उपसर्ग, निपात, षड्भावविकार

निरुक्ताध्ययन के उददे्श्य, निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ–

आचार्यः, वीरः, ह्रद, गो, समुद्र, अश्व, अग्नि, वृत्र, आदित्य, उषस्, मेघ, वाक्, उदक, नदी, जातवेदस्, वैश्वानर, निघण्टुः।

इकाई–2 – दर्शन

2.1 ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका– सत्कार्यवाद, पुरुष–स्वरूप, प्रकृति–स्वरूप, सृष्टि विचार, प्रत्ययसर्ग, कैवल्य।

2.2 सदानन्द का वेदान्तसार– अनुबन्धचतुष्टय, अज्ञान, अध्यारोप–अपवाद, लिंगशरीरोत्पत्ति, पञ्चीकरण, विवर्त, जीवन्मुक्ति।

2.3 केशवमिश्र की तर्कभाषा– पदार्थ, कारण, प्रमाण– प्रत्यक्ष, अनुमान, उपमान, शब्द

2.4 लौगाक्षिभास्कर का अर्थसंग्रह– धर्मलक्षण, शाब्दी भावना, आर्थी भावना, विधि एवं उसके प्रकार।

2.5 पातञ्जल योग सूत्र– चित्तभूमि, चित्तवृत्तियाँ, ईश्वर का स्वरूप, योगांग, समाधि, कैवल्य।

2.6 सर्वदर्शनसंग्रह– जैनमत, बौद्धमत, चार्वाक का सामान्य अध्ययन।

इकाई–3 – व्याकरण तथा भाषा–विज्ञान

3.1 महाभाष्य (पस्पशाह्निक)– शब्द की परिभाषा, शब्द एवं अर्थ का संबंध, व्याकरण के अध्ययन के उद्देश्य, व्याकरण की परिभाषा, साधु शब्द के प्रयोग का परिणाम, व्याकरण की पद्धति।

3.2 लघुसिद्धांत कौमुदी –

समास, तिङन्त (भू एवं एध् धातु मात्र)

कृदन्त

तद्धित–अपत्यार्थक, मत्वर्थीय

स्त्री–प्रत्यय

परिभाषाएं– संहिता, गुण, वृद्धि, प्रातिपदिक, नदी, घि, उपधा, अपृक्त, गति, पद, विभाषा, सवर्ण, टि, प्रगृह्य, सर्वनाम–स्थान, निष्ठा, सार्वधातुक, आर्धधातुक, अङ्.ग, भ, सर्वनाम।

3.3 सिद्धांत कौमुदी– कारक प्रकरण।

3.4 भाषाविज्ञान– भाषा की परिभाषा एवं प्रकार, भाषा तथा वाक् में अंतर, भाषा तथा बोली में अंतर, भाषा का वर्गीकरण (परिवारमूलक एवं आकृतिमूलक)

संस्कृत ध्वनियों के विशेष संदर्भ में मानवीय ध्वनि यंत्र, भाषा की प्रक्रिया एवं ध्वनियों का वर्गीकरण–स्पर्श, संघर्षी, अर्धस्वर एवं स्वर।

ध्वनि संबंधी नियम (ग्रिम, ग्रासमान, वर्नर)

ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ तथा कारण।

वाक्य का लक्षण तथा भेद।

भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य एवं संक्षिप्त–परिचय।

वैदिक, लौकिक संस्कृत एवं प्राकृत भाषा में प्रमुख अंतर।

*****

Note :- <u>Pattern of Question Paper</u>

1. **Objective type paper**
2. **Maximum Marks: 75**
3. **Number of Questions: 150**
4. **Duration of Paper: Three Hours**
5. **All questions carry equal marks.**
6. **There will be Negative Marking.**